भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3092
गुरुवार, 6 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

बागडोगरा विमानपत्तन का विस्तार

3092. श्री राजू बिष्टः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बागडोगरा विमानपत्तन के विस्तार परियोजना की वर्तमान स्थिति तथा इसके पूरे होने की संभावित समय-सीमा सहित ब्यौरा क्या है;

(ख) उड़ान योजना के तहत बागडोगरा विमानपत्तन पर प्रत्यक्ष वायु और हेलीकॉप्टर संपर्क में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने उत्तर बंगाल के जिलों में छोटे विमानपत्तनों और हेलीपैडों के विकास का मूल्यांकन किया है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने 1549 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बागडोगरा हवाईअड्डे पर नए सिविल एन्क्लेव के विकास का कार्य आरंभ किया है। इस परियोजना के पूरा होने की अनुमानित तिथि मार्च, 2027 है। तथापि, हवाईअड्डा परियोजनाओं को पूरा करने की समय-सीमा कई कारकों जैसे भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य मंजूरियों की उपलब्धता, वित्तीय समापन आदि पर निर्भर करती है।

(ख) से (घ): 'उड़ान' योजना का उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार करने और दूरदराज के क्षेत्रों में हवाई यात्रा को सुलभ बनाने हेतु पूर्वोत्तर क्षेत्र, पर्वतीय राज्यों और द्वीप क्षेत्रों में हेलीपोर्टों सहित असेवित या अल्पसेवित हवाईपट्टियों को विकसित और प्रचालनरत करना है।

दिनांक 04.07.2026 को आरंभ किया गया 'उड़ान' योजना के अगले चरण में आकांक्षी जिलों और प्राथमिकता क्षेत्र जिलों, जहां कोई हेलीपोर्ट या हवाईअड्डा कार्यशील या विकासाधीन नहीं है, में 100 हवाईअड्डों और 200 आधुनिक हेलीपैडों के विकास की परिकल्पना करके हवाई और हेलीकॉप्टर संपर्क का विस्तार किया जाता है, जो यात्री संपर्क के लिए बेहतर पहुंच को सुलभ बनाएगा और साथ ही दूरस्थ और अल्पसेवित क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा निकासी, आपदा सहायता कार्रवाई और राहत अभियानों का समर्थन करेगा।

संशोधित 'उड़ान' योजना एक चैलेंज मोड फ्रेमवर्क प्रदान करती है जिसके तहत पश्चिम बंगाल राज्य सरकार परिचालन व्यवहार्यता और उपयुक्त स्थलों की उपलब्धता के अध्यधीन हवाईअड्डे और हेलीपोर्ट अवसंरचना के विकास के लिए उपयुक्त स्थानों को चिह्नित और निर्धारित कर सकती है।

******